औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट री-यूज नेटवर्क स्थापित करने की तैयारी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपीसीडा प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व कामन एफ़्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए अपशिष्ट जल का शोधन कर रहा है। निकट भविष्य में सभी औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट के री-यूज़ नेटवर्क की स्थापना होगी।

गौतमबुद्धनगर के सूरजपुर व कसना संयंत्र को नई तकनीक से जोड़ने का काम हो रहा है। इन दोनों संयंत्रों के अपग्रेडेशन काम अगले साल जून तक पूरा हो जाएगा। गाजियाबाद में कामन एफ़्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 6 एमएलडी से बढ़ा कर 16 एमएलडी करने की तैयारी है। इस पर 42 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

सर्कुलर इकनामी पर जोर

यूपीसीडा औद्योगिक क्षेत्रों में "सर्कुलर इकोनॉमी" की अवधारणा को साकार करने के लिए संसाधनों का अधिकतम पुन: उपयोग कर अपशिष्ट को न्यूनतम करने की मुहिम शुरू कर रहा है। जल शोधन संयंत्रों से निकलने वाले शोधित जल को दोबारा उपयोग में लाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। शोधित जल को औद्योगिक इकाइयों में कूलिंग टावर, टॉयलेट फ्लशिंग, बागवानी, सड़क की धुलाई उपयोग को तैयार किया जा रहा है। सीईओ मयूर माहेश्वरी का कहना है कि प्रदेश को ग्रीन, क्लीन और स्मार्ट इंडस्ट्रियल स्टेट बनाने में मील का पत्थर सिद्ध हो रही है।